भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1456

09 दिसंबर, 2025 को उत्तर के लिए

समुद्री शैवाल की खेती और पार्क

1456. श्री तंगेला उदय श्रीनिवास:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में समुद्री शैवाल की खेती के लिए सर्वेक्षित, मानचित्रित और उपयुक्त पाए गए कुल क्षेत्र का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) पिछले पाँच वर्षों के दौरान सक्रिय उक्त खेती के लिए क्षेत्र का वर्ष-वार एवं राज्य-वार ब्यौरा क्या;
(ग) समुद्री शैवाल की खेती में संलग्न समुद्र तटीय गाँवों, स्वयं सहायता समूहों, महिला समूहों और किसानों की संख्या सहित उगाई जाने वाली प्रजातियों, उत्पादन मात्रा और उत्पादन मूल्य का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) तमिलनाडु में स्वीकृत बहु-उद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की वर्तमान स्थिति और इस परियोजना के घटक, कुल लागत, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई धनराशि, पूर्ण करने की अवधि तथा विलंब के कारण (यदि कोई हों) सहित ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार का प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना या किसी अन्य योजना के अंतर्गत अतिरिक्त समुद्री शैवाल पार्क स्थापित करने का विचार है, यदि हाँ, तो इस संबंध में चुने गए राज्य, निर्धारित मानदंड, डीपीआर की स्थिति तथा स्थापना की संभावित अवधि क्या है; और
(च) क्या सरकार को आंध्र प्रदेश सहित अन्य समुद्र-तटीय राज्यों से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिनकी स्वीकृति लंबित है यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क): भारत में 11, 099 किलोमीटर की तटरेखा है जिसमें समुद्री शैवाल (सी वीड़) कृषि की अपार संभावनाएं हैं। स्थान की पहचान और मैपिंग अनुसंधान संस्थानों जैसे ICAR-केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (CMFRI) और CSIR-केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (CSMCRI) द्वारा की जाती है। यह सूचित किया जाता है कि तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में समुद्री शैवाल कृषि के लिए 24707 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले कुल 384 संभावित स्थानों की पहचान की गई है। CMFRI और CSMCRI द्वारा पहचाने गए विस्तृत राज्य-वार क्षेत्र **अनुबंध-I** में हैं।

(ख): समुद्री शैवाल उत्पादन वाला प्रमुख राज्य तमिलनाडु है। तमिलनाडु सरकार और ICAR-CMFRI द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, विगत पाँच वर्षों में सक्रिय रूप से की जा रही खेती का वर्षवार क्षेत्र एवं राज्यवार विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है। इसके अलावा, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार द्वारा कार्यान्वित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अंतर्गत समुद्री शैवाल कृषि को बढ़ावा देना फोकस क्षेत्रों में से एक है। PMMSY के अंतर्गत, विगत 5 वर्षों (2020-25) के दौरान समुद्री शैवाल कृषि और इससे संबंधित गतिविधियों के लिए 195.00 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इसमें तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में समुद्री शैवाल राफ्ट और मोनोलिन की स्थापना, तमिलनाडु में एक मल्टी परपस सी वीड़ पार्क और केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमन और दीव में समुद्री शैवाल सीड बैंक की स्थापना, व्यवहार्यता अध्ययन, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की सुविधा के लिए अनुसंधान और विकास संस्थानों और तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को समुद्री शैवाल पर पायलट परियोजनाएं शामिल हैं।

(ग): कृषि की जा रही मुख्य प्रजातियाँ *कप्पाफाइकस अल्वारेज़ी* और *ग्रेसिलेरिया एडुलिस* हैं। तमिलनाडु सरकार, ICAR-CMFRI और CSIR-CSMCRI की रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान में लगभग 503 तटीय गाँव हैं जिनमें विभिन्न स्व-सहायता समूहों (SHG), महिला समूहों और व्यक्तिगत किसानों सहित लगभग 7698 सदस्य समुद्री शैवाल कृषि में संलग्न हैं, जिससे वर्ष 2024 में देश की समुद्री शैवाल उत्पादन क्षमता 74,083 टन तक पहुँची है। राज्यवार गांवों की संख्या तथा समुद्री शैवाल कृषि में शामिल सदस्यों का विवरण **अनुबंध-III** में दिया गया है।

इसके अलावा, PMMSY योजना के अंतर्गत सभी संभावित तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आजीविका और पारिवारिक आय बढ़ाने के लिए समुद्री शैवाल कृषि में स्व-सहायता समूहों/सहकारी समितियों के माध्यम से महिलाओं और युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है। आज तक, मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने समुद्री शैवाल कृषि के लिए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप, केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमन दीव के प्रस्तावों को स्वीकृति दे दी है।

(घ): तमिलनाडु में मल्टी परपस सी वीड़ पार्क के लिए 127.71 करोड़ रुपए की कुल परियोजना लागत पर स्वीकृति दी गई है, ताकि बड़े स्तर पर समुद्री शैवाल कृषि, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन को सहायता प्रदान की जा सके। इस परियोजना में समुद्री शैवाल सीड मल्टीप्लीकेशन के लिए रामनाथपुरम जिले के वालामावुर में एक हब-I सुविधा, प्रसंस्करण और वैल्यू एडीड उत्पाद विकास के लिए पुदुकोट्टई जिले के मंगनूर में एक हब-II सुविधा और थूथुकुडी, रामनाथपुरम, पुदुकोट्टई और तंजावुर जिलों में समुद्री शैवाल कृषि करने वाले गांवों में एक स्पोक-स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल है। तमिलनाडु सरकार ने सूचित किया है कि अब तक 31.28 करोड़ रुपए के व्यय के साथ लगभग 50% सिविल कार्य पूरे कर लिए गए हैं। शेष कार्य चल रहे हैं, और हब-I जनवरी 2026 में और हब-II जुलाई 2026 में पूरा होने की उम्मीद है।

(ङ) और (च): PMMSY के अंतर्गत, संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाता है। अतिरिक्त समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना के लिए इस विभाग में ऐसा कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। यह भी सूचित किया गया है कि PMMSY के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-2023 के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार के लिए स्वीकृत एकीकृत एक्वापार्क के प्रस्ताव में पहले से ही समुद्री शैवाल पार्क की स्थापना के लिए एक उप घटक शामिल है।

अनुबंध-I

'समुद्री शैवाल की खेती और पार्क' के संबंध में 9 दिसम्बर, 2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1456 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

क्र. सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	CMFRI	CSMCRI	कुल क्षेत्र
		क्षेत्र (हेक्टेयर में)	क्षेत्र (हेक्टेयर में)	
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	-	16.5	16.5
2	आंध्र प्रदेश	1332	23	1355
3	दीव	404.47	-	404.47
4	गोवा	119.19	8.76	127.95
5	गुजरात	10582.13	122	10704.13
6	कर्नाटक	1273.38	6.67	1280.05
7	केरल	79.67	7.86	87.53
8	लक्षद्वीप	212.8	-	217.8
9	महाराष्ट्र	2715.9	155.41	2871.31
10	ओडिशा	1483.76	-	1483.76
11	पुडुचेरी	382.53	-	382.53
12	तमिलनाडु	5217.24	115	5332.24
13	पश्चिम बंगाल	448.84	-	448.84
	कुल	**24,251.90**	**455.2**	**24707.11**

अनुबंध-II

'समुद्री शैवाल की खेती और पार्क' के संबंध में 9 दिसम्बर, 2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1456 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

वर्ष	क्षेत्र (हेक्टेयर में)				
	2020-2021	2021-2022	2022-2023	2023-2024	2024-2025
तमिलनाडु	69.26	87.96	99.94	104.18	107.93
महाराष्ट्र	-	0.12	0.21	0.12	-
गुजरात	-	1.41	2.32	3.94	5.86
ओडिशा	0.40	0.20	-	-	-
आंध्र प्रदेश		1.01	1.01	1.01	1.01
कर्नाटक	0.04	0.04	0.04	-	-
लक्षद्वीप	0.0016	0.020	0.028	0.008	0.008

अनुबंध-III

'समुद्री शैवाल की खेती और पार्क' के संबंध में 9 दिसम्बर, 2025 को उत्तर के लिए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1456 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

वर्ष	**रिपोर्ट किए गए तटीय गांवों की संख्या**	**सक्रिय सदस्य**
तमिलनाडु	475	7230
गुजरात	21	378
आंध्र प्रदेश	5	50
लक्षद्वीप	2	40

***